

XLII.

CHANT .I.

V̄s | mě | tū | ēs | s̄i | d̄s | s̄e | mānt,
Ā | v̄ē | kē | t̄r̄ | māns | tānt | bē | n̄ns,
Kē | n̄e | s̄e | d̄oo | z̄e | d̄e | d̄s | s̄er
Plū- | d̄s | s̄e | k'ēt | mā | d̄s | s̄e | mōrt. <·

RECHANT.

5 S̄il | fōt | m̄s | r̄ir, | m̄s | r̄on | d̄a | m̄r ·><·

2.

S̄i | klo | ri | es | je | suis | d̄e | m̄er,
Ē | tant | sa | tis | fet | tan | t u | res,
Ke | je | priz | z' un | de | me | z an | nuiſ
San- | mil | le | biéns | d'ū | n' ô | tre | m̄ein. ·><·

3.

10 Puis | ke | si | d̄s | se | mant | je | mer
A | v̄ē | ke | t̄r̄ | mans | tan- | bē | nins,
Je | ne | d̄er | d̄' oo | kū | ne | d̄s | s̄er
Plu- | d̄s | se | k'ēt | ma | d̄s | se | mōrt. ·><· <·